>

Title: Need to provide for publicity of achievements of State Governments also on Doordarshan.

श्रीमती दर्शना जरदोश (सूरत): हमारे यहां सरकारी प्रचार माध्यमों में दूरदर्शन एक ऐसा माध्यम है जिसका क्षेत्र पूरे देश में है फिर भी उसके दर्शकों की संख्या दूसरे डिजीटल इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के मुकाबले कम है। इसके कारण की दिशा में अगर सोचा जाये तो यह माध्यम पूरी तरह से सरकारी माध्यम बन गया है । लोगों को जो कार्यक्रम/सूचनाएं चाहिए वो यह माध्यम नहीं दे पा रहा है क्योंकि सरकार के नियंत्रण के कारण उस पर जिस प्रकार से कार्यक्रमों को दिखाया जाता है वो लोगों की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर रहे हैं ।

मैं सरकार से जानना चाहती हूं कि क्या दूरदर्शन के चैनलों पर टाईम स्लोट का विभाजन किया गया है ? कितना समय सरकारी कार्यक्रमों को विशेषकर केन्द्र सरकार को राजनैतिक दृष्टि से फायदा पहुंचे ऐसे कार्यक्रमों को दिया गया है? जिस तरह से केन्द्र में सरकार अपना प्रचार इस माध्यम से कर रही है जिन राज्यों में अन्य पक्षों की सरकारें हैं क्या वहां उन सरकारों की उपलब्धियों को केन्द्र की तर्ज पर दिखाया जा रहा है ? लेकिन राज्यों में उन सरकारों की उपलब्धियों को कितना समय दिया जा रहा है ? विशेषकर गुजरात के बारे में मैं यहां जानना चाहूंगी ।

विशेषकर हमारे देश में हर साल कहीं न कहीं चुनाव रहते हैं । आचारसंहिता के नाम पर हम सब पक्षों को समान धरातल पर मौका देने का दिखावा करते हैं । पर दूरदर्शन माध्यमों का दुरूपयोग किया जाता रहा है।

मैं जानना चाहूंगी कि क्या ऐसा कोई समय आवंटन किया गया है कि अन्य राजकीय पक्षों को भी अपनी बात जनता के सामने रखने का समान मौका मिले ।